यूपी की वृद्धि दर दोगुना करने की तैयारी

लक्ष्य

- 2020-21 से 2023-24 के बीच 15.7 प्रतिशत रही वृद्धि दर
- 2027-28 तक वृद्धि दर को दोगुने से आगे ले जाने की कोशिश में सरकार

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए योगी सरकार राज्य सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर दुगनी करने की तैयारी में है। इसके लिए साल 2027-28 तक ग्रोथ रेट 32.6 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

असल में 2016-17 से 2020-21 के बीच प्रदेश की जीएसडीपी में 6.3 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि 2020-21 से 2023-24 के दौरान यह वृद्धि 15.7 प्रतिशत रही, जो कि दोगुने से भी ज्यादा है। अब सरकार इस वृद्धि को 2027-28 तक 32.6 प्रतिशत यानी दोगुने से भी आगे ले जाने के लिए रणनीति बना रही है।

2023-24 से 2027-28 के बीच बड़े बदलाव की तैयारी: प्राइमरी सेगमेंट में सरकार ने विभिन्न विभागों के कुल 888 सांख्यिकीय अधिकारियों का प्रशिक्षण कराया है। खरीफ और रबी की फसलों का जनपदवार डिजी क्रॉप सर्वे कराया जा रहा है। वहीं सेकेंडरी सेगमेंट में इंडस्ट्रियल पावर उपभोग में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। निवेश प्रोत्साहन के लिए 28 सेक्टोरल पॉलिसीज का निर्धारण और श्रम कानूनों का सरलीकरण किया गया है। नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना, डिफेंस कॉरिडोर, 11 स्थानों पर प्लेज पार्क और 44 नई टाउनशिप का कार्य भी प्रगति पर है। तृतीयक सेगमेंट में होम स्टे के अंतर्गत 20 हजार कक्षों का विकास प्रस्तावित है। होटल के कुल कमरों की संख्या में वर्ष 2023 में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हेरिटेज प्रॉपर्टीज को हेरिटेज होटल के रूप में विकसित किए जाने की नीति बनाई गई है। कॉमर्शियल वाहनों की संख्या में 36.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है, जबकि 2023-24 में कुल पंजीकृत वाहनों का भारत में अंश 12.7 प्रतिशत है। सरकार आईटी सेक्टर पर विशेष फोकस कर रही है और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 25 एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं।